गंगा राम या मांगेराम ?

कु. दर्शन हंस
केन्द्रीय विद्यालय, रूड़की

एक हरियाणा का नौजवान
पहली बार दिल्ली आया
उसके मित्रों ने उसे समझाया
तु पहली बार दिल्ली जा रहा हैं
अच्छे शौक फरमाइयो।
दिल्ली भारत की राजधानी है
नेताओं के सपनों की रानी है।
वहाँ पर ठग हैं, चोर हैं, बदमाश हैं,
उन्हें तेरे जैसी की तलाश है।
जैसे ही वह दिल्ली आया,
बस की ओर कदम बढ़ाया,
सीट नहीं मिली।
डंडा ही हाथ में आया।
इतने में कन्डक्टर आया,
उसने आगे खड़ी, महिला से फरमाया।
बहन जी टिकट.....
पर्स से पैसे निकालती बोली महिला,
एक कलावती।
कलावती का नाम सुनते ही,
हरियाणवी नौजवान ने सोचा, यार.....
दिल्ली में तो टिकट भी बाई नेम चलते हैं।
जैसे ही कन्डक्टर उसके पास आया,
कन्डक्टर ने फरमाया, भाई साहब टिकट....
वह बोला एक मांगेराम।
कन्डक्टर बोला - मांगेराम या गंगाराम।
नौजवान बोला - गंगाराम नहीं मांगेराम।
कन्डक्टर को गुस्सा आया,
उसने दिल्ली का नक्शा निकाला
बहुत देर तक, ढूँढने के बाद ,
जब उसे मांगेराम, कहीं नहीं पाया ।
वह गुस्से से चिल्लाया, अरे, मन्ने तू ही बता दे
इस नक्शें में, कहाँ है मांगेराम।
मांगेराम बोला - अरे मांगेराम इसमें कहाँ गड़ा है ?
देख वो खड़ी कलावती-
मांगेराम तो यो खड़ा है ।।